मानव पारिस्थितिकी एवं परिवार विज्ञान

12147

भाग 2

NBCampus

कक्षा 12 के लिए पाठ्यपुस्तक

ISBN 978-93-5292-001-3 (भाग 1)
ISBN 978-93-5292-131-7 (भाग 2)

प्रथम संस्करण
जुलाई 2019 आषाढ़ 1941

PD 1T RPS

© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 2019

₹ 265.00

80 जी.एस.एम. पेपर पर मुद्रित।

प्रकाशन प्रभाग में सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नयी दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशित तथा नूतन प्रिन्टर्स, एफ़–89/12, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फ़ेज–I, नयी दिल्ली 110 020 द्वारा मुद्रित।

सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलैक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फ़ोटोप्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुन: प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रचारण वर्जित है।
- इस पुस्तक की बिक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशन की पूर्व अनुमित के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण अथवा जिल्द के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय या किराए पर न दी जाएगी, न बेची जाएगी।
- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। रबड़ की मुहर अथवा चिपकाई गई पर्ची (स्टिकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।

एन. सी. ई. आर. टी. के प्रकाशन प्रभाग के कार्यालय

एन.सी.ई.आर.टी. कैंपस
श्री अरविंद मार्ग
नयी दिल्ली 110 016 फ़ोन : 011-26562708

108 ए 100 फीट रोड
हेली एक्सटेंशन, होस्डेकेरे
बनाशंकरी III इस्टेज
बेंगलुरु 560 085 फ़ोन : 080-26725740

नवजीवन ट्रस्ट भवन
डाकघर नवजीवन
अहमदाबाद 380 014 फ़ोन : 079-27541446

सी.डब्ल्यू.सी. कैंपस
निकट धनकल बस स्टॉप पिनहटी
कोलकाता 700 114 फ़ोन : 033-25530454

सी.डब्ल्यू.सी. कॉम्प्लैक्स
मालीगाँव
गुवाहाटी 781021 फ़ोन : 0361-2676869

प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग	:	*एम. सिराज अनवर*
मुख्य संपादक	:	*श्वेता उप्पल*
मुख्य उत्पादन अधिकारी	:	*अरुण चितकारा*
मुख्य व्यापार प्रबंधक	:	*बिबाष कुमार दास*
संपादन सहायक	:	*ऋषिपाल सिंह*
उत्पादन सहायक	:	*प्रकाश वीर सिंह*

आवरण एवं साज–सज्जा
डिजिटल एक्सप्रेशंस

NBCampus

आमुख

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एन.सी.एफ़.–2005) में अनुशंसा की गई है कि बच्चों के विद्यालयी जीवन को विद्यालय के बाहर के जीवन के साथ अवश्य जोड़ा जाना चाहिए। यह सिद्धांत पुस्तकीय अध्ययन की परंपरा से दूर जाता प्रतीत होता है। यह हमारी प्रणाली को सतत रूप से आकार देता है और विद्यालय, घर तथा समुदाय के बीच एक अंतराल उत्पन्न करता है। *एन.सी.एफ़.* के आधार पर विकसित पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकें इस मूलभूत विचार के कार्यान्वयन का प्रयास करते हैं। ये रटकर सीखने और विभिन्न विषय-क्षेत्रों के बीच एक स्पष्ट सीमा बनाए रखने को निरुत्साहित करने का प्रयास भी करते हैं। हमें आशा है कि ये उपाय हमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) में बताई गई बाल-केंद्रित प्रणाली की दिशा को और आगे बढ़ाने में सहायक होंगे।

इस पहल को सफलता तभी मिलेगी, जब इससे लाभ पाने वाले सभी व्यक्ति, विद्यालयों के प्राचार्य, माता-पिता और शिक्षक बच्चों को उनके द्वारा सीखी गई बातों पर विमर्श करने तथा उनकी कल्पनाशील गतिविधियों एवं प्रश्नों को प्रोत्साहित करेंगे। हमें यह स्वीकार करना चाहिए कि मौका, समय और स्वतंत्रता दिए जाने पर बच्चे वयस्कों द्वारा दी गई जानकारी का उपयोग कर नए ज्ञान को जन्म देते हैं। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि निर्धारित पाठ्यपुस्तक बच्चे के लिए सीखने के संसाधनों में मात्र एक है और शिक्षक दूसरा। उसका घर, परिवेश और उसका जीवन तथा उसके हमउम्र साथी, ये सभी सीखने के संसाधन और स्थल हैं। रचनात्मकता और पहल मन में बैठाना तभी संभव है, जब हम बच्चों को उनके अधिगम के मुख्य अभिकर्ता के रूप में समझें और बर्ताव करें, न कि उन्हें ज्ञान की एक निश्चित मात्रा प्राप्त करने वाले के रूप में देखें। यह मान्यता विद्यालय की नियमित प्रणालियों और कार्यशैली में पर्याप्त बदलाव लाती है।

आपके हाथ में यह पुस्तक एक उदाहरण है कि एक पाठ्यपुस्तक कैसी हो सकती है। यह शिक्षार्थी और समकालीन भारत की गतिशील सामाजिक-आर्थिक वास्तविकताओं के परिप्रेक्ष्य में सभी क्षेत्रों में ज्ञान के सृजन के लिए एन.सी.ई.आर.टी. के प्रस्ताव पर आधारित है। *एन.सी.एफ़–2005* के तत्त्वावधान में नियुक्त शिक्षा संबंधी जेंडर मुद्दों पर राष्ट्रीय फ़ोकस समूह द्वारा गृह विज्ञान जैसे पारंपरिक से परिभाषित विषयों को ज्ञान मीमांसा की दृष्टि से पुन: परिभाषित करने के लिए महिलाओं के दृष्टिकोण को शामिल करने की आवश्यकता पर बल दिया गया है। हमें आशा है कि वर्तमान पाठ्यपुस्तक इस विषय को जेंडर संबंधी भेदभाव से मुक्त रखेगी और यह रचनात्मक अध्ययन तथा प्रायोगिक कार्य के लिए युवा मन और शिक्षकों को चुनौती देने में सक्षम होगी।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् इस पुस्तक के लिए उत्तरदायी पाठ्यपुस्तक विकास समिति द्वारा की गई कड़ी मेहनत की सराहना करती है। हम माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय को उनके मूल्यवान समय और योगदान के लिए तथा मानव पारिस्थितिकी एवं परिवार विज्ञान की उप समिति (राष्ट्रीय समीक्षा समिति) को पाठ्यपुस्तक की समीक्षा में उनके योगदान के लिए विशेष आभार व्यक्त करते हैं।

NBCampus

सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण अधिगम पर लक्षित, अपने उत्पादों की गुणवत्ता के व्यवस्थित सुधार और सतत संशोधन के लिए प्रतिबद्ध संस्था के रूप में, एन.सी.ई.आर.टी. टिप्पणियों और सुझावों का स्वागत करती है, जो हमें आगे संशोधन और परिष्करण में सक्षम बनाएँगे।

हृषिकेश सेनापति
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान
और प्रशिक्षण परिषद्

नयी दिल्ली
जुलाई, 2017

NBCampus

प्राक्कथन

मानव पारिस्थितिकी एवं परिवार विज्ञान (एच.ई.एफ़.एस.) विषय जो अब तक 'गृह विज्ञान' के रूप में जाना जाता है, इसकी पाठ्यपुस्तकें एन.सी.ई.आर.टी. की *राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा–2005* के दृष्टिकोण और सिद्धांतों के आधार पर विकसित की गई हैं। विश्व में गृह विज्ञान का क्षेत्र नए नामों से जाना जाता है, परंतु इसमें मूलरूप से पाँच क्षेत्र सम्मिलित हैं, जिनके नाम हैं — भोजन एवं पोषण, मानव विकास एवं परिवार अध्ययन, वस्त्र एवं परिधान, संसाधन प्रबंधन और संचार एवं विस्तार। इनमें से प्रत्येक क्षेत्र या विशेषज्ञता प्राप्त (जैसा कि विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में निर्दिष्ट है) व्यक्तियों, परिवारों, उद्योग और समाज की बढ़ती ज़रूरतों को ध्यान में रख, बढ़ते हुए दायरे के साथ विकसित और परिपक्व हुआ है। परिणामस्वरूप, इन क्षेत्रों में रोज़गार बाज़ार विकसित करने के उद्देश्य से नए आकर्षण विकसित किए गए हैं और बहुत से विश्वविद्यालयों में इनकी वर्तमान प्रतिष्ठा और कार्य-क्षेत्र को बेहतर तरीके से दर्शाने के लिए इन्हें नए नाम दिए गए हैं।

इन सभी क्षेत्रों की अपनी विषय-वस्तु और केंद्र बिंदु होते हैं, जो वैश्विक, सामाजिक-सांस्कृतिक और सामाजिक-आर्थिक संदर्भों में व्यक्तियों, परिवारों और समुदायों के जीवन की गुणवत्ता में योगदान करते हैं। प्रत्येक व्यक्ति एक अच्छे गुणवत्तापूर्ण जीवन का अधिकारी होता है। इससे ऐसे व्यावसायिकों की माँग उत्पन्न होती है, जो सकारात्मक रूप से वैयक्तिक और सामाजिक जीवन के विभिन्न कार्य-क्षेत्रों और आवश्यकताओं हेतु योगदान कर सकते हैं। ये कार्य-क्षेत्र आधारभूत स्वच्छता, आवास, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए देखभाल, सुरक्षा, पर्यावरणी संवर्धन और सुरक्षा, वस्त्र, वित्त और सूक्ष्म से वृहद् स्तरों तक जीवन के असंख्य संबद्ध पहलुओं के मेज़बान तक हो सकते हैं। यह स्पष्ट रूप से विविध सेवाएँ देने वाले व्यक्तियों को प्रशिक्षित करने के लिए शिक्षाविदों और शैक्षणिक संस्थानों के लिए एक चुनौती उत्पन्न करते हैं। इस संदर्भ में एच.ई. एफ़.एस. अंतरविषयक महत्त्व वाले अवसर उपलब्ध कराता है। इनमें उद्योग/निगमित क्षेत्रों, विभिन्न स्तरों पर शिक्षण, अनुसंधान और विकास, विभिन्न संवर्गों में सार्वजनिक क्षेत्र, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठन, जो समुदायों के साथ और उनके लिए कार्य करते हैं और उद्यम संबंधी प्रयास सम्मिलित हैं।

शैक्षिक समुदाय, समुदाय विकास और उद्योगों के लिए कार्य करने वाले व्यावसायिक इन क्षेत्रों में निरंतर पारस्परिक क्रिया कर रहे हैं और शिक्षा और प्रशिक्षण की रूपरेखा बना रहे हैं। इस प्रकार एच.ई.एफ़.एस. (गृह विज्ञान/परिवार और समुदाय विज्ञान) ऐसे व्यावसायिकों को विकास की ओर अग्रसर करता है, जिनके पास केवल ज्ञान और कौशल ही नहीं होता, परंतु जो जीवन की गुणवत्ता, उत्पादकता और स्थायी विकास से संबंधित चुनौतियों, आवश्यकताओं और सरोकारों के प्रति संवेदनशील होते हैं।

इस पाठ्यपुस्तक में वैयक्तिक और सामुदायिक रूप से जीवन की गुणवत्ता को परिदृश्य में रखते हुए, कार्य, रोज़गार और जीविका से संबंधित मामलों पर विचार करने के लिए समग्र दृष्टिकोण अपनाया गया है। अत: पहली इकाई और अध्याय आजीविका के लिए जीवन कौशलों, कार्य के प्रति अभिवृत्तियों, कार्य चुनौतियों, सर्जनात्मकता, निष्पादन एवं उत्पादकता, सामाजिक दायित्व तथा स्वयं से संवाद पर केंद्रित है। लचीलापन, विविधता, अनुकूलन के महत्त्व, काम, आराम और मनोरंजन के बीच संतुलन, उन्नत कार्य-संतुष्टि तथा व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के महत्त्व पर विचार किया गया है। उद्यमवृत्ति बनाम रोज़गार की चर्चा की गई है, विशेष रूप से इस बात को आगे लाया गया है कि उद्यमवृत्ति उन लोगों को अवसर देती है जो

NBCampus

नवाचार और परिवर्तन में पहल करने में रुचि रखते हैं। यद्यपि, परिवर्तन वांछनीय है, परंतु यह महत्त्वपूर्ण है कि अपने ज्ञान और कौशलों की समृद्ध परंपरागत धरोहर को न भूलें। बहुत से परंपरागत व्यवसायों में नवाचार, आधुनिक परिप्रेक्ष्य और अच्छे विपणन के जुड़ जाने से उनमें भरपूर आर्थिक संभावनाएँ उत्पन्न हो जाती हैं।

अन्य अध्यायों और इकाइयों में एच.ई.एफ़.एस. के पाँच मुख्य क्षेत्रों का वर्णन किया गया है। प्रत्येक क्षेत्र में कुछ भाग हैं, जो व्यवसाय और रोज़गार के प्रचुर अवसर प्रदान करते हैं। अर्जित किए जाने वाले ज्ञान और कौशलों के साथ सूचना संप्रेषण प्रौद्योगिकी की न केवल जानकारी इकट्ठी करने के लिए, बल्कि एक महत्त्वपूर्ण व्यवसायी बनने के लिए प्रयोगों और क्रियाकलापों और परियोजनाओं के भाग के रूप में भी पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तक वर्तमान परिदृश्य में प्रत्येक विषय-क्षेत्र के कार्य-क्षेत्र और महत्त्व को ध्यान में लाने का प्रयास करते हैं।

शिक्षार्थियों को विभिन्न व्यावसायिक जीविकाओं और अवसरों में निहित कार्यों और चुनौतियों की अंत: दृष्टि प्राप्त करने योग्य बनाने के लिए प्रयोगों को डिज़ाइन किया गया है। 'ज्ञान निर्माण' के क्षेत्र में कार्य करने और प्रत्यक्ष अनुभवों के ज़रिए पर पर्याप्त बल दिया गया है। अभ्यास और परियोजनाएँ विवेचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करने, विश्लेषणात्मक और लेखन कौशलों को विकसित करने तथा अंतत: 'सीखने की धुन' को मन में बैठाने में मदद करती हैं। बहुत-सी अंतर्दृष्टि और जानकारी के 'बीज बोए' गए हैं। विद्यार्थी और शिक्षक मिलकर विविध विषयों और मुद्दों का अन्वेषण, उनके बारे में विचार, खोज और चर्चा कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक इकाई के अंत में दिए गए चयनित अभ्यासों और पुनरवलोकन प्रश्नों के माध्यम से सीखने को प्रोत्साहन दिया गया है। वर्तमान सरोकार के कुछ मुद्दे, जिनके विषय में चर्चा की गई है, केवल विचार ही जाग्रत नहीं करते हैं, बल्कि इस पाठ्यपुस्तक के उपयोगकर्ताओं में संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व को भी बढ़ावा देते हैं। क्षेत्र-विशिष्ट अवसरों और उपलब्ध संसाधनों को समझने के लिए अभ्यासों को शामिल किया गया है, ताकि विद्यार्थियों को (अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन में) अपने स्वयं के सामाजिक-सांस्कृतिक लोकाचारों और घटना-प्रक्रियाओं को समझने, मूल्यांकन करने और महत्त्व देने को प्रोत्साहित किया जा सके।

यह पाठ्यपुस्तक शिक्षार्थियों के लिए निम्नलिखित उद्देश्यों की पूर्ति हेतु तैयार की गई है—

1. एच.ई.एफ़.एस. के प्रत्येक कार्य-क्षेत्र और उसके महत्त्व को समझने के लिए
2. कार्य, जीवनयापन और जीविकाओं के लिए जीवन कौशलों के महत्त्व को समझने के लिए
3. कार्य बनाम आयु और जेंडर के सूक्ष्म भेदों के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए
4. उद्यमवृत्ति और अन्य विविध व्यावसायिक अवसरों की क्षमताओं को समझने के लिए
5. जीविका विकल्पों के बारे में अवगत कराने के लिए।

पुस्तक के अंत में एक प्रतिपुष्टि (फ़ीडबैक) प्रश्नावली दी गई है। इस पाठ्यपुस्तक के विभिन्न पहलुओं के बारे में आपकी टिप्पणियों और विचारों का स्वागत करेंगे। आप दी गई प्रश्नोत्तरी को भरकर अथवा एक कागज़ पर अलग से लिखकर भेज सकते हैं या ई-मेल कर सकते हैं। आपकी प्रतिपुष्टि हमें आगामी संस्करणों को सुधारने में मदद करेगी।

NBCampus

शिक्षकों के लिए टिप्पणी

प्रिय शिक्षको,

आपने नोट किया होगा कि पूर्ववर्ती डिज़ाइन और दी जाने वाली गृह विज्ञान शिक्षा की तुलना में इन पाठ्यपुस्तकों को तैयार करने में आमूल परिवर्तन किए गए हैं। फिर भी, गृह विज्ञान (संशोधित एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यक्रम के संदर्भ में जो अब मानव पारिस्थितिकी एवं परिवार विज्ञान कहलाता है) के विषय-क्षेत्रों की विषय-वस्तुएँ और केंद्र बिंदु मुख्य रूप से यथावत् बने रहे। वास्तव में, पाठ्यपुस्तक और पाठ्यपुस्तक संगठन में आधारभूत सिद्धांतों को कवर करने और आगे विद्यार्थियों को नवीन और उभरते हुए पाँच विषय-क्षेत्रों—भोजन और पोषण, मानव विकास एवं परिवार अध्ययन, वस्त्र एवं परिधान, संसाधन प्रबंधन एवं संचार और विस्तार, की जानकारी देने का ध्यान रखा गया है। पूर्ववर्ती परंपरा से हटकर नयी दिशा में किया गया यह सुविचारित प्रयास उस विषय के बारे में भ्रांति को दूर करता है, जिसका केंद्र बिंदु और कार्य-क्षेत्र घरेलू विज्ञान और कला तथा शिल्प तक सीमित है। यह क्षेत्र में गुणवत्ता शिक्षा और व्यावसायिक अवसरों के लिए संभावनाओं, दोनों संदर्भों में इसके विविध, बहुविषयक सामर्थ्यों में अभिरुचि उत्पन्न करने के लिए भी है।

इकाई 1 कार्य, जीवन कौशलों, जीविकाओं और आजीविकाओं के बारे में है। यह अर्थपूर्ण कार्य के वर्णन के साथ प्रारंभ होती है और रहन-सहन और जीवन की गुणवत्ता के अच्छे स्तर को सुनिश्चित करने के लिए कार्य को विश्राम और मनोरंजन के साथ संतुलित करने की आवश्यकता को बताने के लिए आगे बढ़ती है। साथ ही कार्य के प्रति हितकर अभिवृत्तियों और दृष्टिकोणों के परिणामस्वरूप कार्यजीवन में सफलता और प्रसन्नता के अध्याय में विस्तार से वर्णन है। इसमें नैतिकता, सामाजिक उत्तरदायित्व, स्वयं से संवाद और श्रम की गरिमा से युवाओं को परिचित कराने और संवेदनशील बनाने का प्रयास किया गया है। इस संदर्भ में, भारत के पारंपरिक व्यवसायों की समृद्ध धरोहर की चर्चा विद्यार्थियों से करना इस दृष्टिकोण से प्रासंगिक है कि सर्जनात्मक और नवाचार के साथ एक संतोषजनक जीविका के लिए भरपूर अवसर उपलब्ध हैं। चुनौतीपूर्ण जीविका अवसर के रूप में, उद्यमवृत्ति की असीम क्षमता को युवाओं की अभिरुचि बढ़ाने में केंद्रित किया जाता है, विशेष रूप से उनके लिए, जो स्वयं अपने मालिक बनना चाहते हों, ताकि वे लाभकारी स्वनियोक्ता बनकर दूसरों के लिए रोज़गार सृजित कर सकें। यह इकाई स्वस्थ कार्य परिवेश और अच्छे व्यावसायिक स्वास्थ्य के महत्त्व का भी उल्लेख करती है, इसके साथ ही व्यावसायिक खतरों और आवश्यक सुरक्षा उपायों के प्रति सजग भी बनाया गया है। यह अनुभव किया गया कि आज के युवा को वर्तमान मुद्दों को समझने की आवश्यकता है, जिनमें आयु के संदर्भ में कार्य (बाल श्रम तथा वरिष्ठ नागरिकों को लगाना) और जेंडर (महिलाएँ और कार्य) सम्मिलित हैं। इस संदर्भ में यह अनुभव किया गया है कि विद्यालय विद्यार्थियों से पारस्परिक क्रिया करने लिए 'अतिथि संकाय या विशेषज्ञों' को निमंत्रित कर सकते हैं, जिससे उन्हें प्रत्यक्ष और वास्तविक जानकारी मिल सके।

इकाई 2 के प्रत्येक अध्याय में, पाठ्यपुस्तक का डिज़ाइन शिक्षार्थियों को प्रत्येक विषय-क्षेत्र के महत्त्व और कार्य-क्षेत्र, विद्यमान और उभर रहे बहुप्रभावों के बारे में जानकारी देता है। प्रत्येक इकाई आधारभूत संकल्पनाओं, प्रत्येक विशिष्ट क्षेत्र में आवश्यक ज्ञान और कौशलों तथा उनके लिए अपेक्षित जीविका अवसरों और उनकी तैयारी करने का वर्णन करती है, ताकि वे जीविका विकल्पों में से सही का चयन कर सकें।

NBCampus

शिक्षक को यह नोट करना चाहिए कि विद्यार्थियों/शिक्षार्थियों द्वारा प्रत्येक विषय के विभिन्न क्षेत्रों में गहन समझ अर्जित करने और महत्त्व जानने के लिए पर्याप्त सैद्धांतिक योगदानों की आवश्यकता होती है। अत: प्रत्येक इकाई में कुछ आधारभूत सैद्धांतिक जानकारी सम्मिलित की गई है। सिद्धांत-आधारित विषय-वस्तु ज्ञान प्राप्त करने की विद्यार्थियों की उपलब्धि का परीक्षण करने के लिए पर्याप्त होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त, विद्यार्थी की अभिरुचि और क्षमता तथा क्षेत्र-विशिष्ट संसाधनों और सुविधाओं के आधार पर शिक्षक और विद्यार्थियों को उनकी अपनी अभिरुचि के क्षेत्रों और मामलों में अधिक जानकारी पाने में सहायता कर सकते हैं। पुनरवलोकन प्रश्नों, क्रियाकलापों, अभ्यासों, प्रयोगों, क्षेत्र भ्रमणों और उनके बारे में रिपोर्ट प्रस्तुत करने का समावेश शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों के पढ़ने और लिखने के कौशलों के साथ-साथ विवेचनात्मक और विश्लेषणात्मक सोच को विकसित करने के अवसरों के रूप में देखना चाहिए। जानकारी इकट्ठा करना और उसको तैयार करना अपने आप में महत्वपूर्ण है। फिर भी, युवाओं को सोचने, ज्ञान सृजन करने और स्पष्ट बोलने के साधनों के रूप में सहायता करने के लिए, इस पाठ्यपुस्तक में वर्णित विभिन्न मुद्दों और विषयों पर विचार करने और चर्चा करने के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। ये सभी अनुभव सोच-विचार कर डाले गए हैं, जिससे सीखना अर्थपूर्ण और रोचक हो सके।

यह देखें कि इकाइयों में लेखकों ने कुछ क्रियाकलाप और अभ्यास सम्मिलित किए हैं, जो उपयुक्त हैं और सीखने में वृद्धि करने के साथ-साथ अध्ययन-अध्यापन को नीरस होने से बचाते हैं। यह अपेक्षा की जाती है कि शिक्षक और विद्यार्थी क्रियाकलापों और अभ्यासों की संख्या तय करेंगे, जिन्हें वे शैक्षिक वर्ष में ईमानदारी से पूरा कर सकते हैं। शिक्षक विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करेंगे कि वे जिज्ञासा को उत्प्रेरित करें और आनंददायक रूप से सीखने के लिए कक्षा के भीतर और बाहर यथासंभव अधिक-से-अधिक क्रियाकलाप और अभ्यास करें। इन पाठ्यपुस्तकों में जानकारी प्राप्त करने के लिए पावर प्वाइंट प्रस्तुति, शैक्षिक और प्रोत्साहक सामग्रियों को बनाने के लिए आई.सी.टी. (सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी) के प्रयोग की सिफ़ारिश भी की गई है। सभी इकाइयों में, जहाँ भी संभव हुआ, शिक्षकों को सुझाव दिया गया है कि वे सुनिश्चित करें कि विभिन्न उद्देश्यों से विद्यार्थियों को आई.सी.टी. की जानकारी दी गई है और अभ्यास कराया गया है। इसके अतिरिक्त बहुत-सी अंतर-विषयक परियोजनाएँ सम्मिलित की गई हैं। प्रत्येक विद्यार्थी को किसी एक परियोजना में भाग लेने का अवसर मिलना चाहिए और यह अपेक्षा की जाती है कि विद्यार्थियों को चयनित परियोजनाओं में समूहों या युगलों में भाग लेने के अवसर दिए जाएँगे। चूँकि विद्यार्थी परियोजनाओं के संचालन में अपेक्षाकृत अनभिज्ञ होते हैं, अत: यह आवश्यक है कि शिक्षक द्वारा परियोजनाओं के नियोजन स्तर से कार्यान्वयन और रिपोर्ट लिखने तक पूर्ण रूप से मार्गदर्शन किया जाना चाहिए।

सभी अध्यायों के पाठ्यक्रमों का विस्तृत वर्णन यहाँ किया जा रहा है। पाठ्यपुस्तक के विकास की प्रक्रिया में विशेषज्ञों के दलों ने कुछ चयनित मुद्दों को विशिष्टता प्रदान करने और कुछ को सम्मिलित करने और हटाने की आवश्यकता को व्यक्त किया। इस प्रकार, कुछ सुधार उभरकर आए, जिन्हें सारणी के रूप में बताया गया है।

NBCampus

कक्षा 11 की पाठ्यपुस्तक में छपा कक्षा 12 का पाठ्यक्रम	सुधार के बाद कक्षा 12 के लिए पाठ्यपुस्तक
इकाई I — कार्य, रोज़गार और जीविका (करिअर) तैयारी, विकल्प और चयन • कार्य, आयु और जेंडर • भारत में परंपरागत रोज़गार • जीविका विकल्प • उद्यमिता और स्वरोज़गार • करिअर निर्माण के लिए जीवन कौशल	**इकाई I — कार्य, आजीविका और जीविका** • जीवन की गुणवत्ता • सामाजिक उत्तरदायित्व और स्वयं से संवाद • भारत में परंपरागत रोज़गार • कार्य, आयु और जेंडर • कार्य के लिए अभिवृत्तियाँ और दृष्टिकोण • जीवन कौशल और कार्य जीवन की गुणवत्ता • कार्य और कार्य परिवेश • उद्यमिता
इकाई II — जीविका के अवसर, उच्चशिक्षा और जीविकाओं में मानव पारिस्थितिकी और परिवार विज्ञान का कार्यक्षेत्र निम्नलिखित क्षेत्रों की प्रमुख संकल्पनाएँ, प्रासंगिकता और कौशल **(क) पोषण, खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी** **विशिष्ट जीविकाएँ और क्षेत्र —** • नैदानिक पोषण और आहारिकी • जन पोषण एवं स्वास्थ्य • खान-पान व्यवस्था एवं भोजन सेवाओं का प्रबंधन • खाद्य प्रक्रमण और प्रौद्योगिकी • खाद्य गुणवत्ता और खाद्य सुरक्षा	जीविका के अवसर, उच्चशिक्षा और जीविकाओं में मानव पारिस्थितिकी और परिवार विज्ञान का कार्यक्षेत्र निम्नलिखित क्षेत्रों की प्रमुख संकल्पनाएँ, प्रासंगिकता और कौशल **इकाई II — पोषण, खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी** **विशिष्ट जीविकाएँ और क्षेत्र —** • नैदानिक पोषण और आहारिकी • जनपोषण तथा स्वास्थ्य • खान-पान व्यवस्था और भोजन सेवा प्रबंधन • खाद्य प्रसंस्करण और प्रौद्योगिकी • खाद्य गुणवत्ता और खाद्य सुरक्षा
(ख) मानव विकास और परिवार अध्ययन **विशिष्ट जीविकाएँ और क्षेत्र —** • प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा • मार्गदर्शन एवं परामर्श • विशिष्ट शिक्षा एवं सहायक सेवाएँ • कठिन परिस्थितियों में बच्चों के लिए सहायक सेवाएँ • संस्थानों का प्रबंधन और बच्चों, युवाओं तथा प्रौढ़ों के लिए कार्यक्रम	**इकाई III — मानव विकास और परिवार अध्ययन** **विशिष्ट जीविकाएँ और क्षेत्र —** • प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा • मार्गदर्शन और परामर्श • विशेष शिक्षा और सहायक सेवाएँ • बच्चों, युवाओं और वृद्धजनों के लिए सहायक सेवाओं, संस्थानों और कार्यक्रमों का प्रबंधन

NBCampus

Prelims.indd 9 02-Jul-19 11:45:30 AM

(ग) वस्त्र एवं परिधान

विशिष्ट जीविकाएँ और क्षेत्र —

- संस्थानों में वस्त्रों की देखभाल और अनुरक्षण
- वस्त्र और परिधान के लिए डिज़ाइन
- फ़ुटकर बेचना और व्यापार
- परिधान उद्योगों में उत्पादन तथा गुणवत्ता नियंत्रण
- संग्रहालय विज्ञान तथा वस्त्र संरक्षण

(घ) संसाधन प्रबंधन

विशिष्ट जीविकाएँ और क्षेत्र —

- मानव संसाधन प्रबंधन
- आतिथ्य प्रबंधन
- भीतरी और बाहरी स्थान को डिज़ाइन करना
- कार्यक्रम (इवेंट) प्रबंधन
- उपभोक्ता सेवाएँ

(ङ) संचार एवं विस्तार

विशिष्ट जीविकाएँ और क्षेत्र —

- विकास कार्यक्रमों का प्रबंधन
- विकास, संचार और पत्रकारिता
- संचार माध्यमों का प्रबंधन और पैरवी
- संचार माध्यमों का डिज़ाइन और प्रबंधन
- निगमित संचार तथा जनसंपर्क

इकाई IV — वस्त्र एवं परिधान

विशिष्ट जीविकाएँ और क्षेत्र —

- वस्त्र एवं परिधान के लिए डिज़ाइन
- फ़ैशन डिज़ाइन और व्यापार
- वस्त्र उद्योग में उत्पादन तथा गुणवत्ता नियंत्रण
- संग्रहालयों में वस्त्र संरक्षण
- संस्थाओं में वस्त्रों की देखभाल और रखरखाव

इकाई V — संसाधन प्रबंधन

विशिष्ट जीविकाएँ और क्षेत्र —

- मानव संसाधन प्रबंधन
- आतिथ्य प्रबंधन
- श्रम प्रभाविकी तथा भीतरी एवं बाहरी स्थानों की सज्जा
- कार्यक्रम (समारोह) प्रबंधन
- उपभोक्ता शिक्षा और संरक्षण

इकाई VI — संचार एवं विस्तार

विशिष्ट जीविकाएँ और क्षेत्र —

- विकास संचार तथा पत्रकारिता
- पैरवी
- जनसंचार माध्यम — प्रबंधन, डिज़ाइन एवं उत्पादन
- निगमित संप्रेषण तथा जनसंपर्क
- विकास-कार्यक्रमों का प्रबंधन

NBCampus

Prelims.indd 10 02-Jul-19 11:45:30 AM